

Seat No. : _____

AX-107
May-2016
M.A., Sem.-II
411 : Hindi
(EA स्वरूप आधारित हिन्दी पद्य)

Time : 3 Hours]

[Max. Marks : 70

सूचना : सभी प्रश्नों के (क) भाग के उत्तर **500-600** शब्दों में तथा (ख) भाग के उत्तर **100** शब्दों में लिखिए ।

1. (क) खंडकाव्य की परिभाषा बताते हुए उसके लक्षणों की चर्चा कीजिए । **10**
- अथवा**
- स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिन्दी खंडकाव्यों का परिचय दीजिए ।
- (ख) जगदीश चतुर्वेदी का परिचय **4**
- अथवा**
- कुँवर नारायण का परिचय
2. (क) खंडकाव्य के रूप में 'आत्मजयी' का मूल्यांकन कीजिए । **10**
- अथवा**
- 'आत्मजयी' की दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए ।
- (ख) 'आत्मजयी' में संवेदना **4**
- अथवा**
- 'आत्मजयी' में भाषा सौंदर्य
3. (क) भाषा सौष्ठव की दृष्टि से 'सूर्यपुत्र' खंडकाव्य की चर्चा कीजिए । **10**
- अथवा**
- खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'सूर्यपुत्र' की समीक्षा कीजिए ।
- (ख) 'सूर्यपुत्र' में सामाजिक बोध **4**
- अथवा**
- 'सूर्यपुत्र' में संवेदना

4. (क) मिथक काव्य के रूप में 'आत्मजयी' और 'सूर्यपुत्र' की चर्चा कीजिए । 10
- अथवा**
- 'आत्मजयी' और 'सूर्यपुत्र' की समकालीनता पर प्रकाश डालिए ।
- (ख) मिथक का स्वरूप 4
- अथवा**
- मिथक एवं समकालीनता
5. सूचनानुसार कीजिए : 14
- निर्देश** : निम्नलिखित विधान सही (✓) है या गलत (✗) बताइए ।
- (1) मिथक जीवन के शाश्वत सत्यों को पुनःस्थापित करने के सशक्त माध्यम रहे हैं ।
 - (2) 'एककंठ विषपायी' एक मिथक काव्य नहीं है ।
 - (3) खंडकाव्य का क्लेवर महाकाव्य की तुलना में छोटा होता है ।
 - (4) खंडकाव्य चम्पूकाव्य का एक भेद है ।
 - (5) 'सूर्यपुत्र' में कुन्ती आधुनिक युग की साहसिक महिला के रूप में चित्रित की गयी है ।
 - (6) 'सूर्यपुत्र' रचना में विचार और इतिवृत्त का संयोजन नहीं है ।
 - (7) 'आत्मजयी' में उठायी गयी समस्या एक विचारशील व्यक्ति की समस्या है ।
 - (8) नचिकेता अपना सारा जीवन यम या काल या समय को नहीं सौंपता ।
- निर्देश** : योग्य विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।
- (9) नरेश मेहता का खंडकाव्य _____ है ।
(पंचवटी, पंचेश्वर, प्रवाद पर्व, प्रवाद, पर्वत)
 - (10) खंडकाव्य में धर्म, अर्थ, काम और _____ में से किसी एक की प्राप्ति उसमें अभीष्ट होती है ।
(अमोक्ष, मोल, मोड, मोक्ष)
 - (11) 'आत्मजयी' पुस्तक के संकेतिक शीर्षकों में एक शीर्षक _____ है ।
(मैं क्या हूँ ?, मैं सर्वत्र हूँ, मैं परलोक हूँ, मैं लोक हूँ)
 - (12) 'सूर्यपुत्र' रचना मुख्यतः _____ के जीवन की गाथा से सम्बन्धित है ।
(अर्जुन, एकलव्य, युधिष्ठिर, कर्ण)
 - (13) "मैं जिन परिस्थितियों में जिन्दा हूँ उन्हें समझना चाहता हूँ" _____ बोलता है ।
(वाजश्रवा, नचिकेता, यम, सारथी)
 - (14) "मैं नहीं बनूँगा सारथी सूतपुत्र कर्ण का" _____ बोलते हैं ।
(गुरु द्रोण, भीष्म, मद्रराज शल्य, दुर्योधन)

AX-107

May-2016

M.A., Sem.-II

411 : Hindi

(EB युग आधारित पद्य)

Time : 3 Hours]

[Max. Marks : 70

सूचना : सभी प्रश्नों के (क) भाग के उत्तर 500-600 शब्दों में तथा (ख) भाग के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए ।

1. (क) प्रगतिवाद के प्रमुख लक्षणों की सविस्तार चर्चा कीजिए । 10
अथवा
राजनैतिक एवं साहित्यिक परिवेश के संदर्भ में प्रगतिवादी युगबोध की चर्चा कीजिए ।
(ख) संक्षेप में लिखिए : 4
कला और समाज का सम्बन्ध
अथवा
वर्गगत समाज
2. (क) 'केदारनाथ अग्रवाल की कविताएँ प्रगतिवादी स्वर से युक्त हैं' – उदाहरण देकर समझाइए । 10
अथवा
प्रगतिवादी काव्यधारा में केदारनाथ अग्रवाल की साहित्यिक भूमिका स्पष्ट कीजिए ।
(ख) संक्षेप में लिखिए : 4
'चन्द्र गहनों से लौटती बेर' काव्य में प्रकृति-चित्रण
अथवा
'उदास दिन' काव्य में कवि की व्यथा
3. (क) प्रगतिवादी काव्यशास्त्र में भौतिकवाद और द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद की चर्चा कीजिए । 10
अथवा
प्रगतिवादी काव्यधारा में गजानन माधव 'मुक्तिबोध' के योगदान की चर्चा कीजिए ।
(ख) संक्षेप में लिखिए : 4
'बसन्ती हवा' काव्य का भावार्थ
अथवा
'बादल को धिरते देखा है' काव्य में प्रकृति-चित्रण

4. (क) नागार्जुन का साहित्यिक परिचय दीजिए । 10

अथवा

नागार्जुन की कविताओं में प्रकट समाजाभिमुखता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

(ख) संक्षेप में लिखिए : 4

‘प्रेत का बयान’ काव्य में व्यंग्य

अथवा

‘अकाल और उसके बाद’ काव्य में अकाल के बाद की स्थिति का वर्णन

5. (क) विधान सही हैं या गलत लिखिए : 7

- (1) श्रम विभाजन द्वारा वर्ग-भेद उत्पन्न होता है ।
- (2) भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ का तीसरा अधिवेशन दिल्ली में हुआ था ।
- (3) केदारनाथ अग्रवाल छायावादी कवि रहे हैं ।
- (4) प्रगतिवादी साहित्य मार्क्सवादी विचारधारा का प्रतिफलन है ।
- (5) नागार्जुन प्रतिबद्ध जनवादी कवि नहीं हैं ।
- (6) भौतिकवाद में फायरबाख का महत्वपूर्ण योगदान रहा है ।
- (7) केदारनाथ अग्रवाल साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित नहीं हैं ।

(ख) योग्य विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 7

- (1) प्रगतिवादी लेखकों ने _____ को समाज का जागरूक प्रहरी एवं निर्देशक माना है ।
(समाज सेवक, साहित्यकार, चित्रकार, संगीतकार)
- (2) भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ के प्रथम अधिवेशन के अध्यक्ष _____ थे ।
(मुल्कराज आनंद, मुंशी प्रेमचंद, सज्जाद जहीर, भवानी भट्टाचार्य)
- (3) मार्क्सवादी सिद्धांत के अनुसार उत्पादन ही मनुष्य के सारे कार्यों की _____ है ।
(प्रेरणा, पूँजी, प्रतिफलन, प्रक्रिया)
- (4) केदारनाथ अग्रवाल के _____ काव्यसंग्रह को सोवियेत लैन्ड नहेरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया है ।
(अपूर्वा, युग की वाणी, फूल नहीं रंग बोलते हैं, पुष्पदीप)
- (5) ‘यात्री’ उपनाम से लिखने वाले कवि _____ हैं ।
(अज्ञेय, नागार्जुन, निराला, त्रिलोचन शास्त्री)
- (6) नागार्जुन की पहली कविता _____ है ।
(चातकी, राम के प्रति, बापू, रजनीगंधा)
- (7) ‘खेत का दृश्य’ काव्य के कवि _____ हैं ।
(मुक्तिबोध, केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, निराला)